Rayat Shikshan Sanstha's

Savitribai Phule Mahila Mahavidyalaya, Satara

Bachelor of Arts (B.A.)

Department of Hindi

Course Outcomes (COs)

After studying these courses students will be able to:

❖ B.A. I Year Hindi Compulsory	
▪ हिंदी अनिवार्य . (प्रश्नपत्र A) -सृजनात्मक लेखन, प्रश्नपत्र B -व्यावहारिक लेखन –	
CO1	हिंदी भाषा तथा व्याकरण से छात्राओं का परिचय हुआ।
CO2	सृजनात्मक लेखन की विविध विधाओं (कविता, कहानी,यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, दृश्य - साहित्य, पत्रकारिता) से छात्राएं अवगत हुई।
CO3	सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्रों की जानकारी छात्राओं को प्राप्त हुई।
CO4	सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्रों के महत्त्व व उपयोगिता का आकलन छात्राओं को हुआ।
CO5	हिंदी के विविध रूपों से छात्राओं का परिचय हुआ।
CO6	प्रयोजनमूलक हिंदी का परिचय छात्राओं को हुआ।
CO7	पत्राचार का स्वरूप तथा प्रकारों से छात्राएं अवगत हुई।
CO8	अनुवाद, विज्ञापन और समाचार लेखन की जानकारी छात्राओं को मिली।
CO9	व्यावहारिक लेखन का महत्त्व तथा उपयोगिता की समझ छात्राओं में आयी।
❖ B.A. I Year Hindi Optional	
▪ साहित्य जगत, हिंदी गद्य साहित्य; प्रश्नपत्र 1 और 2 –	
CO1	छात्राओं को साहित्य की विभिन्न विधाओं का परिचय हुआ।
CO2	हिंदी के प्रतिनिधि गद्यकारों एवं कवियों से छात्राओं प्रभावित हुई।
CO3	हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन कौशल छात्राओं में विकसित हुआ।
CO4	निबंध, कहानी, रेखाचित्र, एकांकी, रिपोर्ताज, संस्मरण, व्यंग्य आदि विधाओं के माध्यम से छात्राओं का भावात्मक विकास हुआ।
CO5	नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था छात्राओं में निर्माण हुई।

CO6	राष्ट्र के प्रति प्रेम, राष्ट्रीय ऐक्य स्थापना एवं सामाजिक प्रतिबद्धता छात्राओं में जागृत हुई।
CO7	छात्राओं की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा मिला।

❖ B.A.II Year Hindi Optional –

- **प्रश्नपत्र - 3 अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी गद्य साहित्य -**

CO1	कथासाहित्य का परिचय छात्राओं को हुआ।
CO2	कथा साहित्य के स्वरूप, तत्व एवं प्रकारों से छात्राएं अवगत हुई।
CO3	समीक्षा मानदंड के आधार पर कथासाहित्य का आकलन छात्राओं को हुआ।
CO4	कथेतर साहित्य का समीक्षात्मक परिचय छात्राओं को हुआ।
CO5	कथेतर साहित्य के स्वरुप, तत्व एवं प्रकारों से छात्र अवगत हुए।
CO6	कथा और कथेतर साहित्य की वर्तमान प्रासंगिकता का ज्ञान छात्रों को हुआ।

- **प्रश्नपत्र 4 हिंदी संतकाव्य तथा राष्ट्रीय काव्य धारा –**

CO1	हिंदी साहित्य के प्रति छात्राओं की रुचि बढ़ी।
CO2	कथा साहित्य की विविध विधाओं का परिचय छात्राओं को हुआ।
CO3	मध्यकालीन हिन्दी कवियों के परिचय से छात्राएं प्रभावित हुई।
CO4	नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व का परिचय छात्राओं को हुआ।
CO5	आधुनिक हिंदी कविता में चित्रित विविध विमर्शों से छात्राएं अवगत हुई।
CO6	हिन्दी संतकाव्य से छात्राओं का परिचय हुआ।

- **प्रश्नपत्र 5 - रोजगारपरक हिन्दी -**

CO1	हिन्दी में कार्य करने की क्षमता, कल्पना एवं रुचि छात्राओं में विकसित हुई।
CO2	रोजगारोन्मुख शिक्षा व कौशल का विकास छात्राओं में हुआ।
CO3	पत्राचार के स्वरूप का परिचय छात्राओं को हुआ।
CO4	हिन्दी भाषा के श्रवण, पठन व लेखन कौशल का निर्माण छात्राओं में हुआ।
CO5	व्यावहारिक हिन्दी से छात्राओं का परिचय हुआ।
CO6	रोजगारोन्मुख क्षेत्र से छात्राओं का परिचय हुआ।

- **प्रश्नपत्र 6 – अस्मितमूलक विमर्श और हिन्दी पद्य साहित्य -**

CO1	हिन्दी कवियों से छात्राओं का परिचय हुआ।

CO2	हिन्दी भाषा के श्रवण, पठन और लेखन को छात्राओं में बढ़ावा मिला।
CO3	हिन्दी साहित्य के प्रति छात्राओं में रुचि निर्माण हुई।
CO4	नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य, उत्तरदायित्व के प्रति छात्राओं में आस्था निर्माण हुई।
CO5	साहित्य की विविध पद्य विधाओं का परिचय छात्राओं को हुआ।
CO6	आधुनिक हिन्दी पद्य में चित्रित विविध विमर्शो से छात्राएं अवगत हुई।

❖ B.A. III Year Hindi (Special)

- **प्रश्नपत्र VII & XII विधा विशेष का अध्ययन पाठ्यपुस्तक:दिल्ली ऊंचा सुनती है (नाटक)-कुसुम कुमार & अंतिमसाक्ष्य (उपन्यास) चंद्रकांता.**

CO1	नाटककार कुसुम कुमार की बहुमुखी प्रतिभा व साहित्य से छात्राओं का परिचय हुआ।
CO2	नाटककार कुसुम कुमार की विचारधारा से छात्राएं प्रभावित हुई।
CO3	नाटककार कुसुम कुमार के निर्धारित ग्रंथ का आलोचनात्मक अध्ययन हुआ।
CO4	नाटककार के रूप में कुसुम कुमार का साहित्यिक स्थान निर्धारित हुआ।
CO5	उपन्यासकार चंद्रकांता की बहुमुखी प्रतिभा से छात्राएं परिचित हुई।
CO6	उपन्यासकार चंद्रकांता की विचारधारा से छात्राओं प्रभावित हुई।
CO7	उपन्यासकार चंद्रकांता के निर्धारित ग्रंथ का आलोचनात्मक अध्ययन छात्राओं ने किया।
CO8	उपन्यासकार के रूप में चंद्रकांता का साहित्यिक स्थान निर्धारित हुआ।

- **प्रश्नपत्र - VIII & XIII साहित्याशास्त्र –**

CO1	साहित्य निर्मिति की प्रक्रिया से छात्र ज्ञात हुए।
CO2	साहित्य के विभिन्न अंगों, भेदों से छात्राओं का परिचय हुआ।
CO3	साहित्य की नवीन विधाओं से छात्राएं अवगत हुई।
CO4	समीक्षा सिद्धान्तों का छात्राओं को ज्ञान हुआ।
CO5	साहित्य के तत्वों की जानकारी छात्राओं को मिली।
CO6	अलंकारों व छंदों से छात्राओं का परिचय हुआ।

- **प्रश्नपत्र - IX & XIV हिन्दी साहित्य का इतिहास**

CO1	हिन्दी भाषा तथा साहित्य से छात्राओं का परिचय हुआ।
CO2	हिन्दी साहित्य की विकास यात्रा से छात्र अवगत हुए।

CO3	हिन्दी साहित्य की विकास यात्रा में विब विभिन्न विचारधाराओं व प्रवृत्तियों से छात्र अवगत हुए।
CO4	साहित्य समझने, उसका आस्वादन की दृष्टि छात्राओं में विकसित हुई |
CO5	साहित्य के संदर्भ में विभिन्न साहित्यिक विधाओं के विकासक्रम की छात्राओं को जानकारी मिली।
CO6	युगीन सामाजिक, राजनीतिक परिस्थितियों का परिचय छात्राओं को हुआ।
▪ **प्रश्नपत्र - X & XV प्रयोजनमूलक हिन्दी –**	
CO1	हिन्दी में कार्य करने की रुचि छात्राओं में विकसित हुई।
CO2	रोजगारोन्मुख शिक्षा व कौशल विकसित हुआ |
CO3	पारिभाषिक शब्दावली से छात्राओं का परिचय हुआ।
CO4	सरकारी पत्राचार के स्वरूप की जानकारी छात्राओं को मिली।
CO5	जनसंचार व इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से छात्र ज्ञात हुए।
CO6	अनुवाद स्वरूप, महत्व वउपयोगिता का छात्राओं को परिचय हुआ।
CO7	रोजगारपरक हिन्दी की उपयोगिता छात्राओं में स्पष्ट हुई।
▪ **प्रश्नपत्र - XI & XVI- भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा –**	
CO1	भाषा के विविध रूपों का ज्ञान छात्राओं को हुआ।
CO2	हिन्दी व्याकरण से छात्र अवगत हुए।
CO3	भाषा विज्ञान का सामान्य परिचय छात्राओं को प्राप्त हुआ।
CO4	हिन्दी भाषा व लिपि के उद्भव व विकास का ज्ञान छात्राओं को हुआ।
CO5	भाषा की शुद्धता के प्रति छात्राएं जागृत हुई।
CO6	मानक हिन्दी वर्तनी से छात्राएं अवगत हुई।